ABSTRACT IN HINDI

ABSTRACT IN HINDI

परिचय

"शिक्षा का अर्थ केवल लोगों को पढ़ाना मात्र नहीं, बल्कि इसका वास्तविक अर्थ है लोगों को व्यावहारिक व सदाचारी बनाना है"।

- जॉन रस्किन

शिक्षा का उद्देश्य समाज को विकसित तथा सुदृढ़ करना होना चाहिए। एक शिक्षक को अपने छात्रों के लिए रोल मॉडल होना चाहिए, क्योंकि छात्र शिक्षक द्वारा पढ़ाये गए पाठों की अपेक्षा, उनके दृष्टिकोण से अधिक प्रभावित होते हैं। भावी शिक्षकों का दायरा केवल शिक्षण तक ही सीमित न हो बल्कि मानवीय जीवन के प्रत्येक पहलुओं को विकसित करने में उसकी महती भूमिका होनी चाहिए। हमारे देश में समाज के सभी सदस्यों के लिए शिक्षा मौलिक है। शिक्षा एक राष्ट्र की ताकत होती है। एक राष्ट्र तभी विकसित हो सकता है जब वहां के लोग शिक्षित हों।

समस्या का विवरण: प्रस्तुत शोध-अध्ययन में शोधार्थी ने केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे भावी शिक्षकों के बीच मूल्यों के दृष्टिकोण को जानने का प्रयास किया है। शोध का शीर्षक है, "केन्द्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों के संभावित शिक्षकों के मूल्य, उनकी व्यावसायिक अभिरुचि, शिक्षण अभिक्षमता एवं आकांक्षा स्तर के सन्दर्भ में: एक तुलनात्मक अध्ययन"

अध्ययन के उद्देश्य

- केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे भावी शिक्षकों के मूल्यों, व्यावसायिक हित, शिक्षण क्षमता,और आकांक्षाओं के स्तर उसके आयामों का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों के मूल्यों और उनके व्यावसायिक हितों , मूल्यों और उनकी शिक्षण क्षमता मूल्यों और उनकी आकांक्षा के स्तर के बीच के संबंधों को पता करना।

अध्ययन की परिकल्पना

- केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में आने वाले भावी शिक्षकों के मूल्यों, व्यावसायिक हित, शिक्षण क्षमता,और आकांक्षाओं के स्तर में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है ।
- केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों के मूल्यों और उनके व्यावसायिक हितों , मूल्यों और उनकी शिक्षण क्षमता मूल्यों और उनकी आकांक्षा के स्तर के बीच में कोई संबंध नहीं है।

अध्ययन का परिसीमन: अध्ययन उत्तर प्रदेश के संभावित शिक्षकों, दो तरह के विश्वविद्यालयों (केंद्रीय और राज्य), शोध-कार्य में लिंग (पुरुष और महिला), क्षेत्र (ग्रामीण और शहरी) और विषयवस्तु (विज्ञान और मानवीय) और नमूना आकार **पांच** सौ तक ही सीमित है।

संबंधित श्रेणी में सुधार: शोधार्थी ने 77 संबंधित साहित्यकारों की समीक्षा की, जिनमें से 30 अंतर्राष्ट्रीय शोध-अध्ययन, एवं 37 भारतीय शोध-अध्ययन से सम्बंधित थे। शोधार्थी द्वारा किया गया अधिकांश अध्ययन भावी शिक्षकों के मूल्यों, व्यावसायिक हित, शिक्षण योग्यता और आकांक्षा के स्तर से संबंधित थे।

अध्ययन की विधि: शोध-प्रविधि व्यवस्थित रूप से अध्ययन में तथा समस्याओं और प्रश्नों को हल करने का मार्ग प्रशस्त करती है। यह एक खाके की तरह है जो अध्ययन के उद्देश्य, प्रकृति और दायरे को ध्यान में रखते हुए शोध के सफल समापन तक शोधार्थी द्वारा विकसित और अनुसरण किया जाता शोध के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शोधार्थी ने शोध-कार्य में वर्णनात्मक सर्वेक्षण प्रविधि का उपयोग किया था।

जनसंख्या नमूना और नमूना तकनीक: प्रस्तुत शोध अध्ययन में उत्तर प्रदेश के केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के भावी शिक्षक शामिल हैं। नमूने के लिए, **500** भावी शिक्षक लिए गए थे जो केवल उत्तर प्रदेश के केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों से थे। अध्ययन के लिए **स्तरीकृत नमूना** तकनीक का उपयोग किया गया है।

उपकरण

शोधार्थी ने अध्ययन के लिए उपकरणों का उपयोग मानकीकृत साधनों डॉ. आर. के. ओझा और डॉ. महेश भार्गव द्वारा "Study of Values test", • बी. के. पासी व एम एस ललिता द्वारा "General Teaching Competency Scale " वी. पी. बंसल और प्रो. डी. एन. श्रीवास्तव द्वारा विकसित "Vocational Interest Record", डॉ. महेश भार्गव और स्व. डॉ. एम. ए. शाह द्वारा विकसित "Level of Aspiration Measure" का प्रयोग किया था।

सांख्यिकीय तकनीक: इस तकनीक का उपयोग माध्य, मानक विचलन और टी-परीक्षण के सहसंबंधों को जानने के लिए किया गया था।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष: डेटा के विश्लेषण और संकेत के बाद शोध-कार्य के परिणाम नीचे दिए गए हैं:

यह स्पष्ट है कि केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के मूल्य- आर्थिक और धार्मिक मूल्यों के आयामों के लिए गणना की गई 't'-मूल्य 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई कीमत के बाद से- केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के सैद्धांतिक, सौंदर्यशास्त्र, सामाजिक और राजनीतिक मान 0.05 के स्तर के महत्व के तालिका मूल्य (1.96) से अधिक हैं। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है।

यह समझ में आता है कि मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई 't'-वैल्यू - केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के सैद्धांतिक, आर्थिक और सामाजिक मूल्य- महत्व के 0.05 के स्तर पर उनके लिंग एवं चर (पुरुष और महिला) के संदर्भ में तालिका मूल्य से कम है (1.96)। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है।मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य के बाद से- केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों के सौंदर्यशास्त्रीय, राजनीतिक और धार्मिक मूल्यों, उनके लिंग चर (पुरुष और महिला) के संदर्भ में तालिका मूल्य (1.96) का महत्व 0.05 के स्तर से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है।

यह समझ में आता है कि मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई ‘t’-वैल्यू, और उनके विश्वविद्यालयों (महिला और पुरुष) के संदर्भ में राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के सामाजिक मूल्यों के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) का महत्व 0.05 से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। चूंकि मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य - राज्य विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भावी शिक्षकों के लिंग अनुपात (पुरुष और महिला) के संदर्भ में सौंदर्यशास्त्र, आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक स्तर पर मान 0.05 का महत्व तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह स्पष्ट है कि मूल्य के आयामों के लिए प्रदर्शित ‘t’-मूल्य - स्थानीय विश्वविद्यालयों (ग्रामीण और शहरी) की अपेक्षा केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों के सौंदर्यशास्त्र और राजनीतिक मूल्यों का महत्व तालिका मूल्य स्तर (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। हम कह सकते हैं कि मूल्यों के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान - स्थानीय (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले संभावित शिक्षकों के सैद्धांतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक मूल्यों का महत्व, 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई ‘t’-वैल्यू - स्थानीय विश्वविद्यालयों (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में राज्य विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों के सैद्धांतिक और सौंदर्यशास्त्र मान 0.05 का महत्व तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है।मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई ‘t’-मूल्य के बाद से - स्थानीय विश्वविद्यालयों, और राज्य के विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों के धार्मिक मूल्यों को स्वीकार किए जाने के संदर्भ में।

यह देखा गया है कि मूल्य के आयामों की गणना की गई है। मूल्य विषयों (कला और विज्ञान) के संदर्भ में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के राजनीतिक मूल्य का महत्व 0.05 का स्तर, तालिका मूल्य (1.96) से कम है। । इसलिए शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है क्योंकि मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य- सैद्धांतिक, सौंदर्यशास्त्रीय, सामाजिक, आर्थिक और केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के धार्मिक मूल्यों के मान का महत्व 0.05 स्तर पर विषय(कला और विज्ञान) के संदर्भ में तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि ये वैकल्पिक परिकल्पनाएं हैं।

इसलिए यह देखा गया है कि मूल्य के आयामों के लिए परिकल्पित 't' मान प्रायोगिक मान के विषय में राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले शिक्षकों के विषय(कला और विज्ञान) का महत्व 0.05 स्तर के संदर्भ में तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। चूंकि मूल्य के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य- आर्थिक, सौंदर्यशास्त्री, सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक मूल्यों के प्रतिभावान शिक्षकों के विषय में राज्य के अध्ययन के विषय(कला और विज्ञान) के महत्व का स्तर 0.05, तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों के समग्र अंक चूंकि व्यावसायिक हित के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान- कृषि, वाणिज्य, कार्यकारी, हाउस होल्ड, साक्षरता, वैज्ञानिक, सामाजिक मूल्य का महत्व 0.05 स्तर पर और तालिका(1.96) से अधिक हैं। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भावी शिक्षकों के लिंग अनुपात (पुरुष और महिला) के संदर्भ में कुल मिलाकर स्पष्ट करते हैं कि वोकेशनल इंटरेस्ट के आयामों के लिए गणना की गई 't' वैल्यू - कृषि, वाणिज्य, हाउस होल्ड, साक्षरता का महत्व 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। वोकेशनल इंटरेस्ट के आयामों की गणना के मूल्य के बाद से- केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भावी शिक्षकों के कलात्मक, कार्यकारी, वैज्ञानिक, सामाजिक और उनके लिंग एवं चर के संदर्भ में (पुरुष और महिला) इसका महत्व 0.05 स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से अधिक हैं। । इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे भावी शिक्षकों की कलात्मक, हाउस होल्ड, कार्यकारी, वैज्ञानिक और कुल मिलाकर, उनके लिंग(पुरुष और महिला) के सन्दर्भ में चूंकि व्यावसायिक हित के आयामों के लिए 'टी' मूल्य की गणना की गई है। 0.05 का महत्व सारणी मूल्य के स्तर पर (1.96) की तुलना में अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है। राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत पुरुष और महिला भावी शिक्षकों के औसत प्राप्तांक के अंतर महत्वपूर्ण हैं।

यह देखा गया है और यह स्पष्ट है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों के कृषि, साक्षरता, और वैज्ञानिक के आयामों के लिए गणना 't' मूल्य उनके इलाके (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में है जिसका महत्व 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के कलात्मक, वाणिज्यिक, हाउस होल्ड, कार्यकारी, सामाजिक और कुल मिलाकर, उनके इलाके (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में व्यावसायिक हितों के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान- 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह स्पष्ट है कि व्यावसायिक हित के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान - राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों की हाउस होल्ड, उनके इलाके(ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में 0.05 के स्तर पर इसका महत्व तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। व्यावसायिक हित के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य के मान से- कलात्मक, वाणिज्य, कृषि, साक्षरता, और वैज्ञानिक कार्यकारी, सामाजिक और कुल मिलाकर, उनके विश्वविद्यालयों (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में राज्य विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों की संख्या 0.05 महत्व के स्तर पर सारणी मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए शून्य परिकल्पना को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह बोधगम्य है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे संभावित शिक्षकों के उनके विषय(कला और विज्ञान) व्यावसायिक हितों के संदर्भ में आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य- वाणिज्य, हाउस होल्ड और वैज्ञानिक स्तर पर 0.05 के महत्व के तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। व्यावसायिक हित के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान- कलात्मक, कृषि,

साक्षरता, कार्यकारी, सामाजिक और समग्र विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के विषय के संदर्भ में उनके विषय(कला और स्ट्रीम) के स्तर पर 0.05 का महत्व तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है जबकि वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत संभावित शिक्षकों के व्यावसायिक हितों, वाणिज्यिक, साक्षरता और कार्यकारी के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान उनके विषय संकाय (कला और विज्ञान) के संदर्भ में महत्व के स्तर पर 0.05 के सारणी मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। चूंकि व्यावसायिक हित के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य- कलात्मक विषय, कृषि, हाउस होल्ड, वैज्ञानिक, सामाजिक और समग्र रूप से राज्य के विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे शिक्षक जो अपने विषय स्ट्रीम (कला और स्ट्रीम) के संदर्भ में महत्व के स्तर पर 0.05 के तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है। यह देखा गया है कि शिक्षण और योग्यता के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान - केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों की योजना, प्रस्तुति, समापन, मूल्यांकन और प्रबंधकीय महत्व का स्तर 0.05 तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों के उनके लिंग अथवा चर (पुरुष और महिला) के संदर्भ में शिक्षण योग्यता योजना, समापन के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान 0.05 के स्तर पर तालिका मान1.96) से कम है। अत: शिक्षण परिकल्पना के आयामों के लिए गणना 't' मान के बाद से शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों के प्रस्तुतीकरण, मूल्यांकन, प्रबंधकीय और कुल मिलाकर उनके लिंग या चर (पुरुष और महिला) के संदर्भ में 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि शिक्षण योग्यता के आयाम के लिए गणना की गई 't' मान - राज्य विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भावी शिक्षकों की प्रस्तुति उनके लिंग या चर (पुरुष और महिला) के संदर्भ में 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। शिक्षण योग्यता के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य के मान से- योजना, समापन, मूल्यांकन, प्रबंधकीय और समग्र विश्वविद्यालयों में उनके लिंग या चर(पुरुष और महिला) के संदर्भ में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के महत्व का स्तर 0.05 के तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है एवं वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह स्पष्ट है कि शिक्षण योग्यता के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य - योजना, प्रस्तुति, समापन, मूल्यांकन और उनके विश्वविद्यालयों(ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों के प्रबंधकीय की तुलना में महत्व के 0.05 स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है। यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि शिक्षण योग्यता के आयामों के लिए गणना की गई 't' मूल्य - योजना, प्रस्तुति, समापन, मूल्यांकन और उनके विश्वविद्यालयों (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में राज्य विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भावी

शिक्षकों के प्रबंधकीय का महत्व 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है और वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि शिक्षण योग्यता के आयाम के लिए गणना की गई 't' मान - केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों का उनके विषय स्ट्रीम (कला और विज्ञान) के संदर्भ में समापन का महत्व 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से कम है। अत: शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है। शिक्षण योग्यता के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान को मानें तो केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों के नियोजन, प्रस्तुति, समग्र मूल्यांकन, प्रबंधकीय और उनके विषय स्ट्रीम (कला और विज्ञान) के संदर्भ में 0.05 महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है एवं वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि शिक्षण योग्यता के आयाम के लिए गणना की गई 't' मान - राज्य विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों का उनके विषय स्ट्रीम (कला और विज्ञान) के संदर्भ में 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। शिक्षण योग्यता के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान के बाद से - योजना, प्रस्तुति, मूल्यांकन, प्रबंधकीय और समग्र विश्वविद्यालयों में उनके विषय स्ट्रीम (कला और विज्ञान) के संदर्भ में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों की तालिका मूल्य(1.96) का महत्व 0.05 स्तर पर अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह स्पष्ट है कि आकांक्षा के स्तर के लक्ष्य के लिए गणना की गई 't' मान - लक्ष्य विसंगति स्कोर (GDS), प्राप्ति विसंगति स्कोर (ADS) और कुल मिलाकर (केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों की आकांक्षा का स्तर) 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से अधिक हैं। इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकार नहीं की जाती है, इसकी जगह वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

आकांक्षा के स्तर के आयाम के लिए गणना की गई 't' मान - केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भावी शिक्षकों के लक्ष्य विसंगति स्कोर (GDS), उनके लिंग(पुरुष और महिला) के संदर्भ में 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से कम है। इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। चूंकि आकांक्षा के स्तर के आयामों की गणना के लिए 't' मान - केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों (उनके पुरुष और महिला) के संदर्भ में विसंगति स्कोर (ADS) और समग्र (आकांक्षा का स्तर) 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मान(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बजयाफ्ता वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह समझ में नहीं आता है कि आकांक्षा के स्तर के लक्ष्य के लिए परिकलित 't' मान - लक्ष्य विसंगति स्कोर (GDS), प्राप्ति विसंगति स्कोर (ADS) और कुल मिलाकर (आकांक्षा का स्तर) राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों के साथ उनके लिंग (पुरुष और महिला) का संदर्भ तालिका के मूल्य (1.96) से अधिक 0.05 के स्तर पर है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है इसलिए वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह समझ में आता है कि आकांक्षा के स्तर के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान - केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भावी शिक्षकों के लक्ष्य विसंगति स्कोर (GDS) उनके इलाके (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में महत्व के 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना स्वीकार की जाती है। चूंकि आकांक्षा के स्तर के आयामों की गणना के लिए 't' मान - केंद्रीय विश्वविद्यालयों में उनके स्थानीय (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों की प्राप्ति का अंतर स्कोर (ADS) और समग्र (आकांक्षा का स्तर) 0.05 के महत्व का स्तर तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि इसके लिए वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह तर्कसंगत है कि आकांक्षा के स्तर के लक्ष्य के लिए गणना की गई 't' मान - लक्ष्य विसंगति स्कोर (GDS) और राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले संभावित शिक्षकों के लक्ष्यीकरण अंक (ADS) उनके इलाके (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में महत्व के 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य (1.96) से कम है। इसलिए अशक्त परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है, क्योंकि आकांक्षा के स्तर के आयामों के लिए गणना की गई 't' मान - समग्रता (आकांक्षा का स्तर) राज्य विश्वविद्यालयों में उनके स्थानीयता (ग्रामीण और शहरी) के संदर्भ में अध्ययन करने वाले भावी शिक्षकों का महत्व 0.05 के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि आकांक्षा के स्तर के लक्ष्य के लिए प्रदर्शित 't' मान - लक्ष्य विसंगति स्कोर (GDS), प्राप्ति विसंगति स्कोर (ADS) और समग्र (आकांक्षा का स्तर) केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे संभावित शिक्षकों का उनके विषय(कला और विज्ञान) के संदर्भ के साथ 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है बल्कि वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है।

यह देखा गया है कि आकांक्षा के स्तर के लक्ष्य के लिए चिन्हित 't' मान - लक्ष्य विसंगति स्कोर (GDS), प्राप्ति विसंगति स्कोर (ADS) और समग्र (आकांक्षा का स्तर) राज्य विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत भावी शिक्षकों का उनके विषय(कला और विज्ञान) के संदर्भ के साथ 0.05 के महत्व के स्तर पर तालिका मूल्य(1.96) से अधिक है। इसलिए अशक्त परिकल्पनाओं को स्वीकार नहीं किया जाता है तथा वैकल्पिक परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है। तालिका 4.5 से पता चलता है कि संभावित शिक्षकों के बीच मान और व्यावसायिक हित के बीच सहसंबंध 0.01 के स्तर पर काफी सकारात्मक है। इस खोज से पता चलता है कि "परिकल्पना 4.5 का स्वीकार नहीं" बताता है कि "संभावित शिक्षकों के बीच मूल्यों और व्यावसायिक हित के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।" सिंह द्वारा किए गए पहले के अध्ययन के आधार पर , एच. एल. (1974); चेन (1977); गोयल (1980); रेड्डी, बी.पी. (1989); नाइक, जी.सी. (1990), शर्मा (1991); बाबू, राम मोहन (1992); लाई, मोहन (1994) और कुलसुम (1999) के अध्ययन के आधार पर शोधार्थी ने संभावित शिक्षकों के मूल्यों और व्यावसायिक हित के बीच सकारात्मक संबंध पाया।

कुल नमूने के लिए संभावित शिक्षकों के मूल्यों और शिक्षण क्षमता के बीच प्रोडक्ट मोमेंट सहसंबंध का पता लगाया गया। सहसंबंध का मूल्य तालिका 4.6 में प्रस्तुत किया गया है। टेबल 4.6 संभावित शिक्षकों (कुल नमूना) (एन = 500) के बीच मूल्यों और शिक्षण क्षमता बीच सम्बन्ध है। टेबल 4.6 से पता चलता है कि संभावित शिक्षक के बीच मूल्यों और शिक्षण क्षमता बीच सम्बन्ध 0.01 के स्तर पर काफी सकारात्मक है। इस खोज से परिकल्पना 4.6 में से कोई भी स्वीकार नहीं किया जा सकता है, जो बताता है कि "भावी शिक्षकों के बीच मूल्यों और शिक्षण क्षमता के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।"

कुल नमूने के लिए संभावित शिक्षकों के मान और आकांक्षा के स्तर के बीच उत्पाद क्षण-सहसंबंध पर काम किया गया। सहसंबंध का मूल्य तालिका 4.7 में प्रस्तुत किया गया है। संभावित शिक्षकों (कुल नमूना) (एन = 500) के बीच मूल्यों और आकांक्षा के स्तर के बीच संबंध का पता चलता है। इससे पता चलता है कि संभावित शिक्षकों के बीच मान और आकांक्षा के स्तर के बीच सहसंबंध 0.01 स्तर पर काफी सकारात्मक है। यह खोज उस परिकल्पना को स्वीकार नहीं करने की ओर ले जाती है, जिसमें कहा गया है कि "संभावित शिक्षकों के बीच मूल्यों और आकांक्षा के स्तर के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है और संभावित शिक्षकों के मूल्यों और व्यावसायिक हितों के बीच सकारात्मक संबंध पाया गया है।

शैक्षणिक महत्व

शिक्षा संस्थानों को मूल्य उन्मुखीकरण कार्यक्रम के लिए रणनीति बनाकर उन्हें एकीकृत करना चाहिए। हर विषय के माध्यम से, छात्रों में मूल्यों की सच्ची भावना प्रकट की जानी चाहिए। उचित उन्मुखीकरण कार्यक्रम, योग, हीथ शिक्षा कार्यक्रमों को व्यवस्थित किया जाना चाहिए और विशेष रूप से कला विषय के छात्रों के लिए मूल्य अभिविन्यास की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। शिखा के माध्यम से मूल्यों को विकसित करने के लिए व्यावहारिक रणनीतियों को अपनाया जाना चाहिए- **कोठारी आयोग की रिपोर्ट**। शिक्षक समाज के सभी स्तरों पर मूल्य अभिविन्यास के विस्तार के लिए कार्यक्रम कर सकते हैं।

अन्य अध्ययनों के लिए सुझाव: शिक्षकों-छात्रों के बीच मूल्यों के विकास पर अध्ययन। बड़े माध्यमिक स्कूल के छात्रों की रचनात्मकता को विकसित करने की रणनीतियों का वर्णनात्मक अध्ययन। कॉलेज स्तर के शिक्षकों के मूल्य अभिविन्यास और नौकरी की संतुष्टि का प्रभाव। अपने शिक्षण अभ्यास के अनुभवों के साथ भावी शिक्षकों के बीच मानवीय मूल्यों के बारे में जागरूकता। बेहतर शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए शिक्षकों के बीच रचनात्मकता का विकास करना। किशोरावस्था के छात्रों की रचनात्मकता और उनके मूल्यों के बीच संबंधाशिक्षक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम के साथ-साथ अभिविन्यास और उनकी संगतता को हाई स्कूल और हायर सेकंडरी में शिक्षकों और छात्रों के नैतिक मूल्यों का गठन में महत्व देते हैं।